अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय – जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन

2018-19 अध्यादेश क्र. 23

संकाय – पत्रकारिता एवं जनसंचार

(नियम, परीक्षा योजना, अंकयोजना एवं पाठ्यक्रम)

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019

पाठ्यक्रम का उददेश्यः–

1. पत्रकारिता विशेषकर समाचार पत्र सहित समस्त जनसंचार माध्यमों की सभी पत्रकारिता विधाओं से परिचित कराना तथा इन माध्यमों के प्रति रूचि विकसित करना।

2. अपने आसपास हो रहे घटनाक्रमों को समझने तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों से प्राप्त। जानकारियों को पत्रकारिता की दृष्टि से विवेचन एवं विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।

3. विभिन्न जनसंचार माध्यमों के अभिव्यक्ति तथा लेखन कौशल के रूपों को जानना, समझना।

4. पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों के सामाजिक, नैतिक एवं विधिक उत्तरदायित्व को जानना, समझना।

5. विभिन्न जनसंचार माध्यमों विशेषकर समाचार पत्र, टी.वी, रेडियो, नवीन मीडिया और इससे सम्बद्ध क्षेत्रों में कार्य की दृष्टि से समझ, कौशल तथा दक्षता विकसित करना।
6. अवधि : यह पाठ्यक्रम एक वर्ष की अवधि का होगा। इसमें 6 सैद्धांतिक प्रश्नपत्र एवं परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।
7. मप्र शासन द्वारा जारी नियमों/संशोधनों के अनुरूप अथवा विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर पाठ्यक्रम योजना में परिवर्तन किया जा सकेगा।

अध्यापन पद्धति :–

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूहचर्चा।
3. दृश्य–श्रव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।
4. जनसंचार के विभिन्न संस्थानों में भ्रमण एवं अंशकालिक रूप में कामकाज का व्यवहारिक प्रशिक्षण द्वारा।

प्रवेश अर्हता :– किसी भी विषय से स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेगा।

(Anil Shivani)

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019
सैद्धांतिक प्रश्नपत्र एवं परियोजना अंक विभाजन

परीक्षा योजना – प्रश्न पत्रों के लिए निर्देशः		समय – 3 घंटे
(अ)	1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 5 (बहु वैकल्पीय उत्तर)	अंक निर्धारण – 5 प्रत्येक – 01 अंक
	2. लघुउत्तरीय प्रश्न – 05	अंक निर्धारण – 10 प्रत्येक – 02 अंक
	3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 05 (आंतरिक विकल्प के साथ) नोट – प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।	अंक निर्धारण – 25 प्रत्येक – 5 अंक
	अधिन्यास / (एसाइन्मेंट कार्य)	अंक – 10
(ब)	लघुशोध	अंक निर्धारण – 100

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019

प्रथम प्रश्नपत्र – संचार विज्ञान

द्वितीय प्रश्नपत्र – विज्ञापन और जनसंपर्क

तृतीय प्रश्नपत्र – समाचार संकलन, लेखन एवं संपादन

चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रेस कानून और आचार संहिता

पंचम प्रश्नपत्र – संचार शोध

षष्ठम प्रश्नपत्र – प्रसारण एवं नवीन पत्रकारिता

परियोजना कार्य

वार्षिक आधार पर संचालित पाठ्यक्रम में वर्षांत पर 6 प्रश्नपत्र एवं 1 परियोजना कार्य शामिल है।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019
प्रथम प्रश्नपत्र – संचार विज्ञान

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)
(सैद्धांतिक परीक्षा–40)
(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. संचार प्रक्रिया के मूलभूत तत्वों की समझ विकसित करना।
2. संचार दृष्टि से व्यक्ति और समाज के अंतरसंबंधों का अध्ययन करना।
3. माध्यमों के प्रभाव, प्रकिया का अध्ययन एवं विश्लेषण करने के लिए।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों में संचार और उसके प्रभाव की समझ विकसित करना।
2. समाज और संवाद सिद्धांतों के स्वरूपों का अध्ययन करना।
3. संचार के विभिन्न आयामों को समझाने के लिए विद्यार्थियों में रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 संचार : अर्थ, परिभाषा, महत्व, कार्य, क्षेत्र, संचार प्रकिया : संचार के तत्व, प्रकार : अंतः वैयक्तिक, अंतरवैक्तिक संचार, समूह संचार, लोकसंचार, शाब्दिक संचार : मौखिक एवं लिखित, गैर शाब्दिक संचार : शारीरिक अभिव्यक्ति, प्रतीक चिन्ह, संचार और सूचना, संचार एवं भाषाएं, संचार के अवरोध : भौतिक अवरोध, मनोवैज्ञानिक अवरोध, सांस्कृतिक एवं भाषायी अवरोध, यांत्रिक अवरोध, संचार अवरोधों का निदान

इकाई–2 संचार सिद्धांत : एजेन्डा सेटिंग सिद्धांत, यूजेज एंड ग्रैटीफीकेशन सिद्धांत, बुलेट सिद्धांत, मार्शल मैक्लुहन एप्रौच : माध्यम ही संदेश है, प्रेस के नियामक सिद्धांत : प्रभुत्ववादी सिद्धांत, उदारवादी सिद्धांत, सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत, साम्यवादी सिद्धांत

इकाई–3 संचार प्रतिरूप : संचार की भारतीय अवधारणा, साधारणीकरण प्रतिरूप, लोकसंचारक नारद, संचार के पाश्चात्य प्रतिरूप : हेरॉल्ड डी लॉसवेल, विलबर श्राम, जॉर्ज गर्बनर, अरस्तु, क्लॉड शैनन एवं वॉरेन वीवर, जॉन थीवट, ई ऑसगुड,

इकाई–4 जनमाध्यम : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, और सामाजिक भूमिका, जनमाध्यमों का उद्भव एवं विकास, परंपरागत संचार माध्यम : लोक कलाएं, लोक नृत्य, लोकगीत कठपुतली आदि, मुद्रित माध्यम : समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पुस्तकें, इलेक्टॉनिक माध्यम : रेडियो एवं टेलीविजन, नवीन माध्यम : इंटरनेट, मल्टीमीडिया आदि, संचार माध्यम एवं लोकजीवन

इकाई–5 अंतरसांस्कृतिक संचार, अंतरसांस्कृतिक संचार की समस्याएं, संचार का अंरराष्ट्रीय प्रवाह, नई अंतरराष्ट्रीय सूचना व्यवस्था, यूनेस्को मास मीडिया डिक्लेरेशन, आईटीयू,

महत्व :–

1. सामाजीकरण की प्रक्रिया के घटक के रूप में संचार महत्वपूर्ण आवश्यकता है।
2. समाज के विकास में आ रही बाधाओं को सुलझाने में संवाद का विशेष महत्व है।

सहायक पुस्तकें :–

1. संप्रेषण प्रतिरूप तथा सिद्धांत : डॉ. श्रीकांत सिंह,
2. मानव संचार शास्त्र : डॉ. श्रीकांत सिंह,
3. संचार सिद्धांत एवं रूपरेखा : प्रो. प्रेमचंद पातांजलि,
4. मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया : केवल जे कुमार,
5. संचार के मूल सिद्धांत : ओम प्रकाश सिंह
6. मॉस कम्यूनिकेशन, डॉ. संजीव गुप्ता

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

द्वितीय प्रश्नपत्र – विज्ञापन और जनसंपर्क

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)
(सैद्धांतिक परीक्षा–40)
(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. रोजगार परक एवं उद्यम के रूप में तीव्र गति से विकसित हो रहे विज्ञापन जगत के लिए दक्ष युवाओं को तैयार करने के लिए।
2. जनमाध्यमों के लिए विज्ञापन निर्माण के लिए कौशल विकास करने के लिए।
3. व्यवसायिक जगत के जनसंपर्क प्रणाली और कार्य व्यवस्था को समझने के लिए।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को विज्ञापन एवं जनसंपर्क की विधा एवं कार्य प्रणाली से परिचित कराना।
2. जनमाध्यमों में विज्ञापन एवं जनसंपर्क के प्रयोगात्मक स्वरूप को प्रस्तुत करने के लिए विद्यार्थियों को दक्ष बनाना।
3. विद्यार्थियों को रोजगार के महत्वपूर्ण और भविष्य में विस्तारित होने वाले विज्ञापन एवं जनसंपर्क के व्यवसाय की ओर प्रेरित करने के लिए।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 विज्ञापन : उद्भव और विकास, परिभाषा, अवधारणा एवं उद्देश्य, विज्ञापन के माध्यम, समाचार– पत्र, पत्रिकाएं, रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट, विज्ञापन के प्रकार : वाणिज्यिक, सामाजिक, संस्थानिक एवं वित्तीय, टेंडर, नोटिस

इकाई–2 विज्ञापन एजेन्सियां : प्रकार, विशेषताएं एवं संगठन, भारत की प्रमुख विज्ञापन एजेंसियां, विज्ञापन अभियान : अवधारणा, माध्यम का चयन, नियोजन, मूल्यांकन एवं बजट, विज्ञापन एवं रचनात्मकता, कॉपी लेखन, लेखक का दायित्व, कॉपी के तत्व एवं विशेषताएं,

इकाई–3 विज्ञापनों की आचार संहिता (एएससीआई, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी), विज्ञापनों के सामाजिक प्रभाव, उपभोक्ता की आदतों पर विज्ञापनों का प्रभाव

इकाई–4 जनसंपर्क : उद्भव एवं विकास, परिभाषा, प्रकृति, जनसंपर्क : प्रचार एवं प्रोपेगेंडा, जनसंपर्क एवं जनमत, जनसंपर्क के सिद्धांत, जनसंपर्क कर्मी के गुण, जनसंपर्क के माध्यम : प्रेस कॉफ्रेंस, प्रेस से मुलाकात, गृहपत्रिका, गोष्ठी, सेमीनार, कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

इकाई–5 जनसंपर्क विभाग : संगठन एवं कार्य, जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी क्षेत्र – राज्य तथा केन्द्र सरकार में जनसंपर्क, कार्पोरेट एवं निजी क्षेत्र में जनसंपर्क, भारत में जनसंपर्क संगठन : पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया आदि,

महत्व :–

1. समाज को दिशाबोध कराने में जनमाध्यमों से प्रकाशित एवं प्रसारित विज्ञापन का महत्वपूर्ण योगदान है।
2. जनमाध्यमों का आर्थिक आधार होने के कारण विज्ञापन विधा का विशेष महत्व है।

सहायक पुस्तकें :–

1. जनसंपर्क सिद्धांत एवं व्यवहार : डॉ. सुशील त्रिवेदी एवं शशिकांत शुक्ल,
2. जनसंपर्क सिद्धांत एवं व्यवहार : प्रो. जे. वी. विलानिलम,
3. लोकसंपर्क : राजेन्द्र,
4. आधुनिक विज्ञापन : डॉ. प्रेमचंद्र पातांजलि,
5. जनसंपर्क प्रशासन : डॉ. लालचंद,
6. जनसंपर्क एवं विज्ञापन : डॉ संजीव भानावत

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

तृतीय प्रश्नपत्र – समाचार संकलन, लेखन एवं संपादन

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)

(सैद्धांतिक परीक्षा–40)

(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. समाचार की अवधारणा और स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए।
2. विविध माध्यमों से मिलने वाली सूचनाओं को लोकहित एवं लोक रूचि के परिवर्तित करने की विधा का ज्ञान कराने के लिए।
3. नई पीढ़ी में मूल्यांनुगत सूचनाओं की समझ विकसित कर समाचार निर्माण के लिए अभिप्रेरित करने के लिए।

उद्देश्य :–

1. समाचार की समझ, चयन, निर्माण एवं गठन की प्रवृत्ति को बढावा देने के लिए।
2. समाचार मूल्य एवं उसके स्वरूपों को समझने की दृष्टि विकसित करने के लिए।
3. व्यक्ति और संस्थागत समाचारों के माध्यम से होने वाले संप्रेषण महत्व को समझने के लिए।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 समाचार : परिभाषा, महत्व, आवश्यक तत्व, विभिन्न प्रकार, समाचार संकलन की प्रकिया,

इकाई–2 समाचार संकलनकर्ता के आवश्यक गुण, समाचार के स्त्रोत, स्त्रोतों को बनाए रखने की कला, लोक विषयों पर सामग्री संकलन,

इकाई–3 मुद्रित माध्यमों के लिए लेखन : समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं की भाषा, समाचार लेखन, शीर्षक, उपशीर्षक, मुख्य बिंदु लेखन, आलेख, संपादकीय लेख, संपादक के नाम पत्र, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, डायरी लेखन, यात्रावृत्तांत, संस्मरण, भेंटवार्ता, आंखों देखा विवरण, स्तंभ, प्रसंग लेख, समीक्षा, स्वतंत्र लेखन,

इकाई–4 प्रसारण माध्यमों के लिए लेखन की अवधारणा, उद्देश्य एवं सीमाएं, लेखन के तत्व, कार्यक्रमों की पटकथा एवं लेखन प्रकिया, ऑनलाइन एवं इंटरनेट के लिए लोक विषयों का प्रस्तुतीकरण

इकाई–5 प्रचलित लोक साहित्य : पंचतंत्र, हितोपदेश,

महत्व :–

1. दैनिक जीवन में समाचारों की उपयोगिता महत्वपूर्ण घटक के रूप में विद्यमान है।
2. पीढ़ीगत परिवर्तन से समाचारों के चयन की प्रवृत्ति एवं प्रस्तुति में आ रहे बदलाव का विश्लेषण करने के लिए।

सहायक पुस्तकें :–

1. संपादन के सिद्वांत : डॉ. रामचंद्र तिवारी,
2. संपादन कला : एन.सी. पंत,
3. लेखन संपादन एवं मुद्रण : ओम गुप्ता,
4. संपादन कला एवं प्रूफ पाठन : डॉ. हरिमोहन,
5. नई पत्रकारिता और समाचार : सविता चढ्ढा,
6. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरिमोहन,
7. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरिमोहन,
8. जनमाध्यम और पत्रकारिता : प्रवीण दीक्षित,
9. संसदीय रिपोर्टिंग : लज्जाशंकर हरदेनिया,
10. पत्रकारिता के सिद्धांत : डॉ रामनरेश त्रिपाठी

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019

चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रेस कानून और आचार संहिता

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)
(सैद्धांतिक परीक्षा–40)
(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. विधि नियमों के अनुपालन के लिए भावी मीडियाकर्मियों को दृष्टिबोध कराना।
2. लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मर्यादा की सीमाओं से परिचित कराना।
3. मीडिया की आचार संहिता एवं कर्मचारी सेवा शर्तो से परिचित कराना।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को जवाबदेह पत्रकारिता करने के लिए विधि ज्ञान बोध कराना।
2. विधि के नियमनों और लोकहित के कानूनों का सामान्य परिचय कराना।
3. मीडिया संस्थानों की वैधानिक सीमाओं और आचरण का निर्धारित स्परूप से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 प्रेस कानून : उद्भव एवं विकास, प्रेस कानून अवधारणा एवं आवश्यकता, भारत में मीडिया की संवैधनिक स्वतंत्रता एवं परिसीमाएं,

इकाई–2 श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारी की सेवा की शर्तें और प्रकीर्ण उपबंध (आधिनियम 1955), प्रत्यालिप्याधिकार आधिनियम 1957, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण आधिनियम 1867, भारतीय सरकारी गोपनीयता 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, न्यायालय की अवमानना–1971, संसदीय विशेषाधिकार, मानहानि कानून, प्रेस परिषद् अधिनियम– 1978,

इकाई–3 सिनेमैटोग्राफी एक्ट–1952, प्रसार भारती अधिनियम–1990,सूचना का अधिकार अधिनियम – 2005, केबल टीवी रेग्यूलेशन एक्ट, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम–2000,

इकाई–4 भारतीय दंड संहिता– 1860 की मीडिया से संबंधित महत्वपूर्ण धाराएं, दंड प्रकिया संहिता– 1973 की मीडिया से संबंधित महत्वपूर्ण धराएं, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम–1986, साइबर अपराध अधिनियम,

इकाई–5 निजता का अधिकार, भारतीय प्रेस परिषद् और पत्रकारों की विभिन्न संस्थाओं और यूनियनों के नीति निर्देश, आकाशवाणी, और दूरदर्शन द्वारा संसदीय कार्यवाही के लिए नीति निर्देश (गीता मुकर्जी समिति की अनुशंसाएं), आकाशवाणी और दूरदर्शन की चुनाव कवरेज नीति

महत्व :–

1. जवाबदेह मीडियाकर्मी का निर्माण कर पत्रकारिता के व्यवसाय की विश्वसनीयता एवं प्रभाव को विस्तार देना।
2. भविष्य के मीडियाकर्मी को कानूनी चुनौतियों के प्रति सजग बनाना।

सहायक पुस्तकें :–

1. प्रेस विधि : डॉ. नंद किशोर त्रिखा,
2. मीडिया विधि : निशांत सिंह,
3. पत्रकारिता एवं प्रेस विधि : डॉ. बसंतीलाल भानावत,
4. पत्र प्रकाशन और प्रकिया : शिव प्रसाद भारती

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019
पंचम प्रश्नपत्र – संचार शोध

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)
(सैद्धांतिक परीक्षा–40)
(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. जनसंचार माध्यमों की नई प्रवृत्तियों एवं उसकी प्रभावकारिता के अध्ययन में दक्षता प्रदान करने के लिए।
2. जनंसचार के विभिन्न माध्यमों और समाज में उनके प्रति दृष्टिकोण ज्ञात करने के लिए।
3. जनसंचार माध्यमों में शोध आधारित विषयवस्तु के प्रयोग के प्रचलन को प्रोत्साहित करने के लिए।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों को शोध तकनीकी एवं उपकरणों से परिचित कराने के लिए।
2. शोध कार्य एवं परियोजना निर्माण में तकनीकी दक्षता प्रदान करने के लिए।
3. शोध आधारित विषयवस्तु के निर्माण के तकनीकी पहलुओं से परिचित कराने के लिए।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 संचार शोध का परिचय : प्रकृति, अवधारणा, शोध प्रकिया, शोध के प्रकार, शोध की विश्वसनीयता एवं वैधता, शोध समस्या की परिभाषा, साहित्यिक समीक्षा, परिकल्पना, चर, विविध शोध प्रश्न

इकाई–2 शोध अभिकल्प एवं प्रकार, निदर्शन एवं उसके प्रकार, आंकड़े संकलन की विधि, गुणात्मक एवं मात्रात्मक नमूना लेने की तकनीकी, आंकड़ों के विश्लेषण की प्रकियाएं, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षत्कार एवं अवलोकन

इकाई–3 शोध की योजना बनाना एवं बजट निर्माण, आंकड़ों का विश्लेषण, तालिका निर्माण, चित्रमय प्रदर्शन के लिए आरेखों का निर्माण, परियोजना (रिपोर्ट) लेखन

इकाई–4 स्रोत विश्लेषण, संदेश विश्लेषण, माध्यम विश्लेषण, ऑडियन्स विश्लेषण, प्रभाव विश्लेषण

इकाई–5 शोध में सांख्यकीय एवं इसका महत्व, केन्द्रीय प्रवृत्तियां, सह–संबंध, रेटिंग स्केल आंकडों के विश्लेषण में सॉप्टवेयर का योगदान – एसपीएसएस के विशेष संदर्भ में

महत्व :–

1. पश्चिमी देशों के जनसंचार माध्यमों की तुलना में भारतीय जनसंचार माध्यमों में शोध आधारित विषयवस्तु की कमी की प्रतिपूर्ति के लिए।
2. पत्रकारिता के साथ शोध आधारित क्षेत्र में वैकल्पिक रोजगार के सृजित अवसरों का लाभ उठाने के लिए।

सहायक पुस्तकें :–

1. मीडिया शोध : डॉ मनोज दयाल,
2. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी : डॉ. रवीन्द्र नाथ मुकर्जी,
3. रिसर्च मैथोडोलॉजी : सी. आर. कोठारी,
4. रिसर्च मैथोडोलॉजी : डॉ. रंजीत कुमार

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019

षष्ठम प्रश्नपत्र – प्रसारण एवं नवीन पत्रकारिता

अधिकतम अंक – 50 उत्तीर्णांक – 20 (16+4)
(सैद्धांतिक परीक्षा–40)
(आंतरिक मूल्यांकन–10)

आवश्यकता :–

1. रेडियों, टेलीविजन, सिनेमा और इंटरनेट आधारित माध्यमों के महत्व को समझनां।
2. प्रसारण माध्यमों के उद्भव एवं विकास को समझना।
3. जनमाध्यम के रूप में प्रसारण माध्यम की उपयोगिता, महत्व एवं प्रभाव को समझना।

उद्देश्य :–

1. प्रसारण पत्रकारिता के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. प्रसारण पत्रकारिता की विधा में विद्यार्थियों को दक्ष बनाना।
3. इंटरनेट आधारित तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर प्रसारण एवं नव माध्यमों में रोजगार के अवसर के अनुकूल विद्यार्थियों को तैयार करना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 विश्व में प्रसारण पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास, भारत में प्रसारण पत्रकारिता : दूरदर्शन एवं आकाशवाणी, निजी प्रसारण माध्यम : आजतक, एनडीटीवी, एबीपी न्यूज, आईबीएन–7, टाइम्स नाउ, हेडलाइंन्स टुडे, जी न्यूज, ई टीवी, सहारा, न्यूज 24, निजी एफएम रेडियो : रेडियो मिर्ची, माय एफएम, रेडियो सिटी, रेडियो मंत्रा, फीवर एफएम, बिग एफएम, रेडियो पॉपकार्न, रेडियो वन, रेड एफएम, मिड डे एफएम,

इकाई–2 आकाशवाणी केन्द्र की संरचना, रेडियो समाचार स्टूडियो, रेडियो न्यूज रूम, रेडियो समाचार वाचन, घटना स्थल पर रिपोर्टिंग, कमेन्ट्री, साक्षात्कार, न्यूजरील, परिचर्चा, फोन इन कार्यक्रम, दूरदर्शन केन्द्र की संरचना, दूरदर्शन समाचार स्टूडियो, दूरदर्शन न्यूज रूम, दूरदर्शन समाचार वाचन, घटना स्थल पर रिपोर्टिंग, फोन इन कार्यक्रम, कमेन्ट्री, साक्षात्कार, न्यूजरील, परिचर्चा, फोन इन कार्यक्रम

इकाई–3 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण : कार्यक्रम निर्माण की अवस्थाएं, निर्माण पूर्व की तैयारियां, निर्माण के पश्चात् की प्रकिया, वीडियो कैमरे के भाग, वीडियो कैमरा कार्य का सिद्धांत, मूल शॉट्स एवं उनका कंपोजीशन, कैमरे की गति चाल एवं कोण, विभिन्न लैंसों का प्रयोग, निर्माण तकनीकी पक्ष, प्रसारण की तकनीक, ईएनजी, ईएफपी एवं बहुकैमरा स्टूडियो निर्माण, टेलीविजन स्टूडियो का संक्षिप्त विवरण, रेडियो कार्यक्रम निर्माण : कार्यक्रम निर्माण की अवस्थाएं, निर्माण पूर्व की तैयारियां, निर्माण के पश्चात् की प्रकिया, तकनीकी पक्ष, प्रसारण की तकनीक, माइक्रोफोन एवं रिकर्डिंग

इकाई–4 नवसंचार माध्यम (इंटरनेट, मोबाइल) के उपयोग, नव माध्यम के लाभ एवं हानियां, वेव कंटेंट की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण, संचार से जुड़े लोगों के लिए तकनीक एवं अन्य प्रकार के ज्ञान एवं तैयारी, वेब पेज की समझ : मुख्य पृष्ठ का परिचय, मुख्य पृष्ठ का इंटरफेस, उपकरण एवं मेन्यू, एचटीएमएल, बीएचटीएमएल के आधारभूत टैग, स्क्रिप्ट लैग्वेज की समझ (व्हीवी – जावा स्क्रिप्ट, एनीमेशन, मल्टीमीडिया का परिचय, अवयव एवं अनुप्रयोग

इकाई–5 रेडियो एवं टेलीविजन के समसामयिक मुद्दों पर कार्यक्रम : पर्यावरण, राजनीति, खेल, अपराध, आर्थिक, संस्कृतिक, शिक्षा, कृषि, दुर्घटना एवं प्राकृतिक आपदा,

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग

महत्व :–

1. वर्तमान एवं भविष्य में प्रसारण पत्रकारिता के विस्तार की अनंत संभावनाओं की प्रतिपूर्ति के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।
2. रोजगारपरक माध्यम होने के साथ हिंदी भाषा के भूमंडलीय विस्तार में प्रसारण माध्यम सहायक हैं।

सहायक पुस्तकें :–

1. रेडियो एवं दूरदर्शन पत्रकारिता : डॉ हरिमोहन,
2. भारतीय इलेक्ट्रानिक मीडिया : डॉ. देवब्रत सिंह,
3. इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो एवं दूरदर्शन : प्रो. राममोहन पाठक,
4. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर,
5. भूमंडलीय जनमाध्यम : एडवर्ड एस. हरमन, राबर्ट डब्लू मैकचेस्नी,
6. ब्राडकास्टिंग एंड दि पीपुल : मेहरा मसानी,
7. रेडियो–वार्ता शिल्प : डॉ. सिद्धनाथ कुमार,
8. मेनी वायसेज वन वर्ल्ड : सीन मैकब्राइड,
9. मीडिया और साइबर स्पेस : सुधीश पचौरी,
10. ऑन लाइन जर्नलिज्म : ओम गुप्ता
11. मॉस कम्यूनिकेशन, डॉ. संजीव गुप्ता, गुप्ता बुक्स, गाजियाबाद।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन
अकादमिक सत्र 2018 से 2019
लघुशोध प्रबंध

आवश्यकता :–

1. संचार शोध के माध्यम से स्थापित ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए।
2. संचार शोध क्षेत्र की नई प्रवृत्तियों और भविष्य के लिए शोध के नए क्षेत्रों की पहचान के लिए।
3. शोध के माध्यम से मीडिया संस्थाओं, संगठनों और शासकीय अशाकीय संस्थाओं की नीति निर्माण में योगदान के लिए।

उद्देश्य :–

1. जनसंचार के क्षेत्र में शोध आधारित कार्य करने के लिए विद्यार्थी को व्यवहरिक रूप से दक्ष बनाना।
2. शोध के विभिन्न चरणों का विद्यार्थी को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उसका आकंलन करना।
3. पाठ्यकम के एक प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति एवं विद्यार्थी को शोध क्षेत्र मे उच्च अध्ययन के लिए अभिप्रेरित करने के लिए।

महत्व :–

1. मीडिया के लगातार हो रहे विस्तार एवं जनसंचार के क्षेत्र में शोध के बेहतर अवसर और रोजगार संभावनाओं का लाभ उठाना।
2. मीडिया स्थापना एवं संचलन के लिए कार्ययोजना निर्माण में शोध आधारित प्रवृत्ति को बढावा देना।

निर्देश

1. विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार के विविध आयामों पर आधारित लघु शोध अधिकतम 200 पृष्ठ का प्रस्तुत करना होगा।
2. लघुशोध कार्य एवं प्रस्तुति का विषय विभाग द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
3. लघुशोध कार्य कुल 100 अंकों का होगा। जिसमें लेखन तथा प्रस्तुति के 50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा दिए जाएंगे। शेष 50 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी जिसमें 30 अंक बाह्य परीक्षक एवं 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।
4. कुल 100 अंकों में से संयुक्त उत्तीर्णांक 40 अंक होंगे।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल